Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. ☐☐☐☐☐☐☐

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—6205

PAPER—III

Time : 2½ hours] **Comparative Study of Religions** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **36** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

Comparative Study of Religions

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given herewith.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I
खण्ड - I

NOTE: This section contains five **(5)** questions based on the given paragraph. Each question should be answered in about thirty **(30)** words and each carries five **(5)** marks.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5 × 5 = 25 अंक)

[Read the following passage and give answers of questions No 1 to 5 given below in 30 words]

All religions require us to look upon life as an opportunity for self-realization- *âtmanastu kâmâya.* They call upon us to strive incessantly and wrest the immortal from the mortal. God is the universal reality, wisdom and love and we are His children irrespective of race or religious belief. Within each incarnate soul dwells the god-consciousness which we must seek out and awaken. When mankind awakes to the truth, universal brotherhood will follow, the at-one-ment with the great fountain head of all creation. One whose life is rooted in the experience of the Supreme spontaneously develops love for all creation. He will be free from hatred for any man. He will not look upon human beings as though they were irresponsible things, means to other peoples' interests. He will boldly work for a society in which man can be free and fearless, a subject, not an object. He will oppose terror and cruelty and stand by the outcast and the refugee. He will give voice to those who have no voice.

(S. Radhakrishnan, Indian Religions, p 12)

निम्नांकित अनुच्छेद को पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्न संख्या 1 से 5 के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में लिखिए।

"सभी धर्म हमें आत्म–साक्षांत्कार का सुअवसर प्रात्त करने के लिए प्रेरणा देते हैं। वे हमें नश्वर वस्तुओं में शास्वत की तलाश करने के लिए निरन्तर पुरुषार्थ करने को कहते हैं। ईश्वर विश्वव्यापी वास्तविकता है, प्रज्ञा है और प्रेम है। हम विभिन्न जातियों और धर्मों के होते हुए भी उस परमसत्ता की सन्तान हैं। प्रत्येक शरीरधारी आत्मा में ईश्वरीय चेतना निहित है, उसे प्राप्त करने और ज्ञानी बनाने का हमें प्रयत्न करना चाहिए। जब मानवता सत्य के प्रति जागृत होगी तब विश्व–बन्धुत्व बढ़ेगा और सभी प्राणियों में स्वसंवेदन की एकरूता बढेगी। जिस किसी व्यक्ति का जीवन परमसत्ता के अनुभव के साथ जुड़ जाता है, तब सभी प्राणियों के प्रति उसमें प्रेम विकसित होता है। वह जागृत व्यक्ति फिर किसी व्यक्ति से घ्रणा नहीं कर सकता। वह अनुभवी व्यक्ति अन्य मानवीय प्राणियों को फिर हीन वस्तुओं या साधन के रूप में नहीं गिनता। वह धार्मिक व्यक्ति साहसपूर्वक ऐसे समाज में सेवा हेतु जुट जाता है, जहाँ व्यक्ति स्वतन्त्र और निर्भय हो सके, वह एक योग्य वस्तु न होकर भोक्ता बन सके। वह साहसी व्यक्ति क्रूरता और आतंक का भी विरोध करता है तथा अस्प्रश्य और शरणार्थी लोगों का साथ देता है। वह न्याय के लिए गूंगे लोगों को भी मुखर बना सकता है।"

— इंडियन रिलीजन्स पुस्तक,लेखक - एस. राधाकृष्णनन

1. According to this para, what is the ultimate purpose of all religions ?
लेखक के अनुसार सभी धर्मों का प्रमुख उद्देश्य क्या है ?

2. What is the effect of the awakening of God-consciousness ?

ईश्वरीय चेतना की जागृति का क्या परिणाम होता है ?

3. How is God conceived by the author as reflected in this para ?

इस अनुच्छेद में लेखक द्वारा ईश्वर को क्या माना गया है ?

4. What do you mean by universal brotherhood of humanity ?

मानवता के सन्दर्भ में विश्व बन्धुत्व की भावना से आप क्या समझते हैं ?

5. Comment on the view of this author as you have understood by this para.

इस अनुच्छेद के लेखक के सम्बन्ध में आप क्या जानते है, संक्षेप में लिखिए।

SECTION - II

खण्ड – II

NOTE : This section contains fifteen **(15)** questions each to be answered in about thirty **(30)** words. Each question carries five **(5)** marks.

(5 × 15 = 75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच (5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न (5) अंकों का है।

(5 × 15 = 75 अंक)

6. Give a brief definition of Religion.

धर्म की संक्षिप्त परिभाषा लिखिए।

7. What is Sociological approach to the study of Religion ?
धर्म के अध्ययन का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण क्या है ?

8. What do you know about Tirthamkara Mahāvīra ?
तीर्थंकर महावीर के विषय में आप क्या जानते हैं ?

9. Explain the meaning of compassion in Buddhism.
बौद्धधर्म में करुणा का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

10. What are the four Noble Truths preached by Gautam Buddha ?
गौतम बुद्ध के द्वारा उपदेशित चार आर्य सत्य क्या हैं ?

11. What do you know about Quran ?

कुरा़न के सम्बन्ध में आप क्या जानते हैं ?

12. What is Agnosticism ?

संशयवाद क्या है ?

13. Write in brief about the New Testament.

'न्यू टेस्टामेन्ट' के सम्बन्ध में संक्षेप में लिखिए।

14. Describe in brief about the Karma theory according to Hinduism ?

हिन्दू धर्म के अनुसार कर्म सिद्धान्त के सम्बन्ध में संक्षेप में लिखिए।

15. What is the greatest Virtue of Jainism ?

जैनधर्म का सर्वोच्च मूल्य क्या है ?

16. Give a definition of mysticism.

रहस्यवाद की परिभाषा कीजिए।

17. Give an example of Social justice from the teaching of Gautam Buddha.
गौतम बुद्ध की शिक्षाओं में से समाजिक न्याय का कोई एक उदाहरण दीजिए।

18. Write the names of the Ten Gurus in the chronological order according to Sikkism.
सिख धर्म के अनुसार कालक्रम से दस गुरुओं के नाम लिखिए।

19. What is the greatest commandment of Jesus Christ ?

ईसा मसीह की सर्वोच्च शिक्षा क्या है ?

20. 'Rituals are necessary part of Religion' comment.

'धर्म के क्रियाकाण्ड आवश्यक अंग हैं' इसको समझाईए।

SECTION - III
खंड – III

NOTE: This section contains five **(5)** questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve **(12)** marks and is to be answered in about two hundred **(200)** words.

(12x5=60 Marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I / विकल्प – I

HINDUSM / हिन्दू धर्म

21. Explain the main characteristics of the Vedic Dharm.
वैदिक धर्म की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

22. Bring out the concept of Brahma Vidya according to upanishads.
उपनिषद् साहित्य में निहित ब्रह्म विद्या की अवधारणा का उल्लेख कीजिए।

23. Elucidate the duties of Varnas and Ashramas of the Vedic period.
वैदिक युगीन वर्णों एवं आश्रमों के कर्तव्यों का विवेचन कीजिए।

24. Depict the difference among the Shaivizm, Vaishnavizm, Shaktizm and tantrizm.
शैव, वैष्णव, शाक्त और तन्त्रवाद मत की मूलभूत भिन्नता को चित्रित करें।

25. Elucidate the process of creation according to Sankhya Philosophy.
सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

अथवा / OR

Elective - II / विकल्प – II

JAINISM / जैन धर्म

21. Discuss in brief the role of Ācārya Kundakunda in Jainism'
जैनधर्म में आचार्य कुन्दकुन्द की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

22. Write an essay on Anekantav ā da (Non-Absolutism) according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार अनेकान्तवाद पर एक निबन्ध लिखिए।

23. Describe in brief cultural heritage of Jainism
जैन धर्म की सांस्कृतिक विरासत का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

24. Throw light on the concept of Universe according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार लोक के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

25. What are the basic differences between the Digambara and S'vetambara sects of Jainism ? Discuss.
जैन धर्म के दिगम्बर और श्वेताम्बर सम्प्रदायों में प्रमुख मतभेद क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा / OR

Elective - III / विकल्प – III

BUDDHISM / बौद्ध धर्म

21. Discuss the theories on the origin of Buddhism.
बौद्ध धर्म की उत्पत्ति के विषय में स्थापित मतों का विवेचन कीजिये।

22. Discuss briefly the life of the Buddha.
बुद्ध की जीवनी का संक्षिप्त विवेचन कीजिये।

23. Discuss the contents of the first Discourse of the Buddha
बुद्ध के प्रथम उपदेश की विषय वस्तु का विवेचन कीजिये।

24. Discuss the spread of Buddism in India.
भारत में बौद्ध धर्म के फैलाव का विवेचन कीजिये।

25. What do you know about Mahāyāna Buddhism ? Discuss.
महायान बौद्ध धर्म के विषय में आप क्या जानते है ? विवेचन कीजिये।

अथवा / OR

Elective - IV / विकल्प – IV

CHRISTIANITY / ईसाई धर्म

21. Sacred Books of the Bible are inspired by God. What exactly do you mean by this ? Are there errors in the Bible ?
पवित्र पुस्तक बाइबल ईश्वर द्वारा प्रेरित है, इससे आप क्या समझते हैं ? क्या बाइबल में त्रुटियाँ हैं, स्पष्ट कीजिए।

22. What is the Gospel story of the Prodigal son, and what is its message ?
भटके हुए पुत्र की गोष्पल कथा है और उसका क्या सन्देश है, विवेचना कीजिए।

23. What was the immediate background of the Reformation in Europe in 16th century and what was the central doctrine of Martin Luther ?
सोलहवीं शताब्दी में यूरोप में सुधार कार्यों की सद्य: पृष्ठभूमि क्या थी और मार्टिन लूथर का केन्द्रीभूत सिद्धान्त क्या था, उसकी विवेचना कीजिए।

24. What is the Second Vatican Council, and the major reforms it made ?
द्वितीय वेटिकन संस्था क्या है, और उसने बृहत् सुधार क्या किये, उसका उल्लेख कीजिए।

25. Explain - the Christian doctrines of sin and redemption.
ईसाई धर्म में पाप की अवधारणा क्या है और उससे निवृत्ति कैसे सम्भव है, विवेचना कीजिए।

अथवा / OR

Elective - V / विकल्प – V

ISLAM / इस्लाम धर्म

21. Write about the life of Prophet Mohammad in brief.
पैगम्बर मौहम्मद साहिब की संक्षेप में जीवनी लिखिए।

22. Write about the achievments of the first caliph Hazrat Abu-Bakr.
पहले खलीफ़ा हज़रत अबू बकर की उपलब्धियों को संक्षेप में लिखिए।

23. Describe the movement of translation under Abbasids
अब्बासी काल में अनुवाद की लहर का वर्णन कीजिये।

24. Describe the Architectural activity under the Mughals
मुग़लों के काल में भवन निर्माण कला की गति विधि का उल्लेख कीजिए।

25. " Sufis played a significant role in the spread of Islam in India" -Discuss.
"भारत में इस्लाम के विस्तार में सूफ़ी सन्तों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है"। इसको स्पष्ट कीजिए।

अथवा / OR

Elective - VI / विकल्प – VI

SIKHISM / सिख धर्म

21. Give an account of the main events during Guru Nanak's life.
गुरुनानक के जीवन काल की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिये।

22. Write a note on the editing of Guru Granth.
गुरु ग्रन्थ की संपादना पर टिप्पणी लिखिए।

23. Discuss the concept of Guru in Sikhism.
सिख धर्म के अनुसार गुरु की अवधारणा का विवेचना कीजिए।

24. Give an account of the events leading to the Sikh Gurudwara Act.
सिख गुरुद्वारा एक्ट पास होने की जुम्मेदार घटनाओं का उल्लेख कीजिये।

25. Write a note on Gadar movement
गदर लहर पर एक टिप्पणी लिखिये।

SECTION - IV
खंड – IV

NOTE: This section consists of one essay type question of forty **(40)** marks to be answered in about one thousand **(1000)** words on any of the following topics. **(40x1=40 Marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Describe the Philosophical aspects of the Vedas in detail.
वेदों के दार्शनिक तत्त्वों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Write in detail an essay on the basic doctrines of Jainism.
जैन धर्म के आधारभूत सिद्धान्तों पर विस्तार से एक निबन्ध लिखिए।

OR / अथवा

Discuss the four Noble truths as taught by the Gautam Buddha.
गौतम बुद्ध द्वारा प्रतिपादित चार आर्य सत्यों का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

''The central message of Jesus Christ was the coming of the kindom of God'' Elaborate on this by explaining the relation between the Church and the kingdom of God.
"ईसामसीह का केन्द्रीभूत सन्देश 'ईश-राज्य' के रूप में आया" इस कथन की ईश राज्य और चर्च के सम्बन्ध की व्याख्या करते हुए व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Discuss the contribution of Medeaval Islamic Civilization to rational sciences.
मध्ययुगीन मुस्लिम सभ्यता द्वारा तर्कयुक्त विज्ञानों के क्षेत्र में किये गये अवदानों का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Write an essay on main aspects of Sikh Philosophy.
सिख-दर्शन के प्रमुख तत्त्वों पर एक निबन्ध लिखिए।

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....